राष्ट्रीय सहारा, पृ० 13, 20-3-16

मोदी की किसानों को नसीहत

नई दिल्ली (भाषा)। लगातार दो साल सूखा पड़ने से कृषि उत्पादन प्रभावित होने के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जल संरक्षण के लिए कदम उठाने और किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए फसलों में विविधता लाने के साथ-साथ डेयरी, पोल्ट्री तथा खाद्य प्रसंस्करण जैसी सहायक गतिविधियों पर ध्यान देने को कहा। यहां आयोजित तीन दिवसीय 'कृषि उन्नति मेले' का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि मई 2014 में सत्ता में आने के बाद उनकी सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुनी करने की दृष्टि से सरकार ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड देने और नई बीमा योजना शुरू करने सहित कृषि क्षेत्र के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं।

कृषि उन्नति मेले के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2012 से जून 2013 के बीच खेती बाड़ी करने वाले परिवारों की अखिल भारतीय औसत मासिक आय 6,426 रुपए थी। प्रधानमंत्री ने पूर्वी राज्यों में आधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाकर दूसरी हरित क्रांति लाने का भी आह्वान किया। कृषि उत्पादकता और आमदनी को बढ़ाने के लिए जल संरक्षण पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि सरकार ने ऐसी 90 सिंचाई परियोजनाओं की पहचान की है जो कि अटकी पड़ी हैं और जिनसे 80 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार सिंचाई व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 20,000 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। प्रधानमंत्री ने विपक्ष को उसके इस दावे के लिए आड़े हाथों लिया कि उसके (विपक्ष के) सत्ता में रहते ही इन सभी परियोजनाओं और कार्यक्रमों को शुरू किया गया। मोदी ने कहा कि आपको जानकर आश्चर्य होगा कि कम से कम 90 परियोजनाएं, जिनमें बांध बनाये गए हैं और पैसे दिये गए हैं, लेकिन उनसे किसानों को पानी पहुंचाने का कोई जरिया नहीं बनाया गया।

उन्होंने कहा कि अब हमारी सरकार इन परियोजनाओं से किसानों को पानी देने के लिए काम कर रही है और एक बार इनके पूरा हो जाने पर करीब 80 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई के लिए पानी मिल सकेगा। एक बार पानी वहां पहुंच जाएगा तो आप सोच सकते हैं कि यह जमीन आपको कितना कुछ दे सकती है। प्रधानमंत्री ने मनरेगा कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि इन गर्मियों में मनरेगा के तहत आवंटित धन का इस्तेमाल तालाब बनाने पर भी खर्च किया जाएगा, ताकि जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सके। प्रधानमंत्री ने लघु और बूंद बूंद सिंचाई पर भी जोर दिया साथ ही उत्पादन लागत को कम करने और किसानों के आय स्तर को बढ़ाने के लिए तरल उर्वरक अपनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने किसानों से अपनी खेती की नियमित गतिविधियों को जारी रखने को कहा लेकिन इसके साथ ही पशुपालन, टिम्बर उगाने तथा मूल्यवर्धन और प्रसंस्करण पर भी ध्यान देने को कहा। उन्होंने सुझाव दिया कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने का बेहतरीन तरीका है।

■ आय बढ़ाने के लिए खेती में विविधता लाएं डेयरी क्षेत्र पर ध्यान दें किसान : प्रधानमंत्री

■ कहा, किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुनी करने की दृष्टि से सरकार ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड देने और नई बीमा योजना शुरू करने सहित कृषि क्षेत्र के विकास के लिए कई कदम उठाए

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों को मजबूत बनाने उनकी आय बढ़ाने के लिए पहला स्तंभ है कि फसल क्षेत्र के एक हिस्से पर नियमित खेती बाड़ी करते रहें। दूसरा स्तम्भ है खेत की चौहद्दी पर पेड़ उगाएं और तीसरा पशुपालन, मधुमक्खीपालन और पोल्ट्री कार्य भी करें। उन्होंने कहा कि यूरिया पर नीम का लेप चढ़ाना अनिवार्य करने से लागत में 20 से 30 प्रतिशत की कमी आएगी और रसायन कारखानों में इसका दुरुपयोग होने की घटनाओं में भी कमी आएगी।

20-3-16

प्रभारी, समाचारपत्र